# 3 संचयन (भाग-२) टोपी शुक्ला

Grade - 10

Classnotes

## प्रश्नों को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1. **टोपी किस धर्म का लड़का था ?**

   ***a.*** **हिंदू**
   *b.* मुसलमान
   *c.* सिख
   *d.* ईसाई

2. **टोपी को कुत्ते के काटने पर पेट में कितनी सुइयाँ भुकीं ?**

   ***a.*** **सात**
   *b.* चौदह
   *c.* दो
   *d.* पाँच

3. **घर की कौन-सी नौकरानी टोपी का दु:ख दर्द समझती थी ?**

   *a.* केतकी
   ***b.*** **सीता**
   *c.* सीमा
   *d.* राधा

4. **टोपी की दादी का क्या नाम था ?**

   ***a.*** **सुभद्रा देवी**
   *b.* रामदुलारी
   *c.* सीता
   *d.* केतकी

## उपयुक्त शब्द का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए |

1. **इफ़्फ़न की दादी एक __जमींदार__ की बेटी थीं |**
2. **इफ़्फ़न की दादी को बनारस के __फ़ातमैन__ में दफ़न किया गया |**
3. **इफ़्फ़न की दादी लखनऊ आकर __दही__ के लिए तरस गईं थीं |**
4. **इफ़्फ़न की दादी __पूरबी__ भाषा बोलतीं थीं |**

## सही वाक्य के आगे सही (✓) और गलत वाक्य के आगे गलत (✖) का चिह्न लगाइए |

1. **टोपी को अपने घर में स्नेह और सम्मान नहीं मिलता था |** ✓
2. **मुन्नी बाबू टोपी का छोटा भाई था |** ✖
3. **टोपी चौथी कक्षा में दो बार फेल हुआ था |** ✖
4. **टोपी को इफ़्फ़न के घर जाना बिल्कुल पसंद नहीं था |** ✖
5. **मुन्नी बाबू टोपी से स्नेह करते थे |** ✖
6. **इफ़्फ़न की दादी एक मौलवी की बेटी थीं |** ✖

## निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

# 3 - टोपी शुक्ला

**1. दूसरे दिन वह स्कूल में इफ़्फ़न से मिला तो उसने उसे सारी बातें बता दीं|दोनों जुगराफ़िया का घंटा छोड़कर सरक गए|पंचम की दुकान से इफ़्फ़न ने केले ख़रीदे|बात यह है कि टोपी फल के अलावा और किसी चीज़ को हाथ नहीं लगता था |**

**" अय्य्सा न हो सकता का की हम लोग दादी बदल लें ," टोपी ने कहा |"तोहरी दादी हमरे घर आ जाएँ अउर हमरी तोहरे घर चली जाएँ|हमरी दादी त बोलियो तूँहीं लोगन को बो-ल-थीं |"**

**"यह नहीं हो सकता |" इफ़्फ़न ने कहा , " अब्बू यह बात नहीं मानेगें|और मुझे कहानी कौन सुनाएगा ? तुम्हारी दादी को बारह बुर्ज की कहानी आती है ?"**

**" तू हम्मे एक ठो दादियों ना दे सक्त्यो ?" टोपी ने खुद अपने दिल के टूटने की आवाज़ सुनी |**

**" जो मेरी दादी है मेरे अब्बू की अम्माँ भी तो हैं |" इफ़्फ़न ने कहा |**

**यह बात टोपी की समझ में आ गई |**

**" तुम्हारी दादी मेरी दादी की तरह बूढ़ी होंगी ?"**

**" हाँ |"**

**" तो फिकर ना करो |" इफ़्फ़न ने कहा , "मेरी दादी कहती है कि बूढ़े लोग मर जाते हैं |"**

**" हमारी दादी ना मरिहे |"**

**" मरेगी कैसे नहीं ? क्या मेरी दादी झूठी हैं ? "**

**ठीक उसी वक़्त नौकर आया और पता चला कि इफ़्फ़न की दादी मर गईं |**

**1. टोपी के बस में क्या नहीं था ?**
**2. इफ़्फ़न और टोपी जुगराफिया का घंटा छोड़कर कहाँ गए और क्यों ?**
**3. टोपी इफ़्फ़न से क्या बदलने की बात कहता है ?**
**4. दादी बदलने की बात पर इफ़्फ़न ने क्या कहा ?**
**5. टोपी का दिल क्यों टूट गया ?**
**6. "मरेगी कैसे नहीं ?" यह किसने , किससे और क्यों कहा ?**

1. बाबू से बड़ा हो जाना टोपी के बस में नहीं था |
2. इफ़्फ़न और टोपी जुगराफिया का घंटा छोड़कर पंचम की दुकान गए क्योंकि उन्हें केले खरीदने थे |
3. टोपी इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात कहता है |
4. दादी बदलने की बात पर इफ़्फ़न ने साफ़ इनकार कर दिया |
5.इफ़्फ़न ने कहा अब्बू इस बात को नहीं मानेंगे ,और मुझे कहानी कौन सुनाएगा |
6. " मरेगी कैसे नहीं ?" यह शब्द इफ़्फ़न ने टोपी से उसकी दादी के लिए कहे|उसने यह शब्द टोपी से इसलिए कहे क्योंकि दादी ने उससे कहा था कि बूढ़े लोग मर जाते हैं , और इफ़्फ़न टोपी को समझा रहा था कि तेरी दादी बूढ़ी है मर जाएगी |

**2. पेट में सात सुइयाँ भुकीं तो टोपी के होश ठिकाने आए|और फिर उसने कलेक्टर साहब के बंगले की तरफ़ रुख नहीं किया|परंतु प्रश्न खड़ा हो गया कि फिर आखिर वह करें क्या ? घर में ले-देकर बूढ़ी नौकरानी सीता थी जो उसका दुख-दर्द समझती थी | तो वह उसी के पल्लू में चला गया और सीता की छाया में जाने के बाद उसकी आत्मा भी छोटी हो गई | सीता को घर के सभी छोटे-बड़े डांट लिया करते थे|टोपी को भी घर के सभी छोटे - बड़े डांट लिया करते थे|इसलिए दोनों एक दूसरे से प्यार करने लगे |" टेक मत किया करो बाबू ! " एक रात जब अम्मी बाबू और भैरव का दाज करने पर वह बहुत पिटा तो सीता ने उसे अपनी कोठरी में ले जाकर समझाना शुरू किया|बात यह हुई थी कि जाड़ो के दिन थे|मुन्नी बाबू के लिए कोट का नया कपड़ा आया|भैरव के लिए भी नया कोट बना|टोपी को मुन्नी बाबू का कोट मिला|कोट बिलकुल नया था|मुन्नी बाबू को पसंद नहीं आया था फिर भी बना तो था उन्हीं के लिए |था तो उतरन | टोपी ने वह कोट उसी वक्त दूसरी नौकरानी केतकी के बेटे को दे दिया | वह ख़ुश हो गया | नौकरानी के बच्चे को दे दी जाने वाली चीज़ वापस तो ली नहीं जा सकती थी , इसलिए तय हुआ कि टोपी जाड़ा खाए |**

**1. टोपी को कहाँ पर कितनी सुइयाँ लगी ?**
**2. टोपी का दु:ख -दर्द घर में कौन समझता था ?**
**3. टोपी और बूढ़ी नौकरानी सीता में क्या समानता थी ?**
**4. टोपी को नया कोट मिलने पर ख़ुशी क्यों नहीं हुई ?**
**5. टोपी ने नया कोट किसे दे दिया ?**
**6. 'नौकरानी के बच्चे को दे दी जाने वाली चीज़ वापिस नहीं ले सकते|" ऐसा क्यों कहा गया है स्पष्ट कीजिए |**

1. टोपी को पेट में सात सुइयाँ लगीं|
2. टोपी का दु:ख-दर्द घर में बूढ़ी नौकरनी सीता समझती थी |
3. घर के सभी छोटे-बड़े सीता को डांट लगाते थे | उसी प्रकार टोपी को भी घर के छोटे-बड़े सदस्य डांटते थे | यह एक चीज़ दोनों में समान थी |
4. टोपी को नया कोट मिलने पर ख़ुशी इसलिए नहीं हुई क्योंकि वो कोट मुन्नी बाबू के लिए आया था , जो उसे पसंद नहीं आया | इसलिए वो कोट टोपी को दे

# 3 - टोपी शुक्ला

दिया गया | टोपी को लगा कोट आया तो मुन्नी बाबू के लिए था| था तो उतरन|इसलिए नया कोट मिलने पर भी टोपी को ख़ुशी नहीं हुई |
5. टोपी ने नया कोट घर की नौकरानी केतकी को दे दिया |
6. 'नौकरानी के बच्चे को दे दी जाने वाली चीज़ वापिस नहीं ले सकते |"ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि एक बार किसी को दे दी जाने वाली चीज़ वापिस लेना तहज़ीब नहीं होता है | और टोपी का परिवार बहुत ही सकुशल परिवार था , उनके लिए ऐसा करना उनकी शान के खिलाफ़ भी था |

## निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कम से कम शब्दों में लिखिए |

**1. इफ़्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाईं ?**

दादी का विवाह मौलवी परिवार में हुआ था जहाँ गाना बजाना पसंद नहीं किया जाता था। इसलिए बेचारी दिल मसोस कर रह गईं।

**2. इफ़्फ़न की दादी का हर शब्द टोपी के लिए महत्वपूर्ण क्यों था ?**

इफ़्फ़न की दादी टोपी से बहुत प्यार करती थीं|दोनों की बोली ही नहीं दिल भी मिलते थे|यही कारण है कि वह दादी की एक-एक बात बड़े ध्यान से सुनता था और उसे अपने मन में उतार लेता था|

**3. ' टोपी शुक्ला ' पाठ की दादी बेटे की शादी में गाने बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर सकी ?**

दादी एक मौलवी की बेगम थी|एक पक्की मौलवी के घर में गाना बजाना नहीं हो सकता था|बेटे की शादी के अवसर पर दादी का दिल गाना बजाने के लिए फड़का पर वे अपनी इच्छा पूरी ना कर सकीं |अपनी इच्छा इफ़्फ़न की छठी (जन्म के छठे दिन) पर पूरी कर पाईं|

**4. मुन्नी बापू का कोट जो टोपी को दिया गया , वह उसी समय टोपी ने किसके बेटे को दे दिया ?**

मुन्नी बापू का कोट जो टोपी को दिया गया , वह उसी समय टोपी ने दूसरी नौकरानी केतकी के बेटे को दे दिया |

**5. टोपी की माँ का क्या नाम था ?**

टोपी की माँ का नाम रामदुलारी था |

**6. टोपी पर झूठा आरोप किसने लगाया ?**

टोपी पर झूठा आरोप मुन्नी बाबू ने लगाया |

## निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक से दो वाक्यों में लिखिए |

**1. बूढ़ी नौकरानी सीता के साथ टोपी किस अदृश्य डोर से बंधा था ?**

उनकी दादी की मृत्यु और उनके मुरादाबाद चले जाने के बाद टोपी बिल्कुल अकेला पड़ गया |घर के अन्य सदस्य उसकी भावनाओं को नहीं समझते थे |नए कलेक्टर के लड़कों के साथ उसकी दोस्ती ना हो सकी|अपना अकेलापन बांटने के लिए उसे घर की बूढ़ी नौकरानी सीता ही दिखाई दी| सीता उसके दुःख दर्द को समझती थी|वह उसे सहारा देती , समझाती| सीता की छाया में जाने के बाद टोपी की आत्मा को सुख मिलता था|परिवार के लोग सीता की तरह उसे भी डाँटते हैं|डांट-मार खाकर वह सीता के पास चला जाता|उसके प्यार भरे दो बोल सुनकर उसे अपना दुःख कम लगने लगता |

**2. टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मजहब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।**

टोपी हिन्दू जाति का था और इफ़्फ़न मुस्लिम। परन्तु जब भी टोपी इफ़्फ़न के घर जाता दादी के पास ही बैठता। उनकी मीठी पूरबी बोली उसे बहुत अच्छी लगती थी। दादी पहले अम्मा का हाल चाल पूछतीं। दादी उसे रोज़ कुछ न कुछ खाने को देती परन्तु टोपी खाता नहीं था। फिर भी उनका हर शब्द उसे गुड़ की डाली सा लगता था। इसलिए उनका रिश्ता अटूट था।

**3. मुन्नी बाबू के व्यवहार का टोपी पर क्या प्रभाव पड़ा ?**

मुन्नी बाबू टोपी का बड़ा भाई था|वह घर से चोरी-छिपे कबाब खा रहा था | टोपी ने उसे देख लिया|तब उसने टोपी को एक इकन्नी रिश्वत में दी , ताकि वह इस बात को छिपा दे | टोपी सीधा-साधा इंसान था | उसने यह बात छुपा दी परंतु माता द्वारा टोपी की पिटाई किए जाने पर मुन्नी बाबू ने टोपी पर आरोप मढ़

# 3 - टोपी शुक्ला

दिया कि वह कबाब खाता है|टोपी झूठे आरोप से आहत हो गया , उसने सोचा कि अगर वह मुन्नी बाबू से बड़ा होता तो इसे देख लेता |

**4. दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्व रखता है ?**

दस अक्तूबर सन् पैंतालिस को इफ़्फ़न के पिता का तबादला हो गया और वे चले गए। उसके प्रिय दोस्त के चले जाने से वह बहुत दु:खी हुआ। उसने कसम खाई कि वह कोई ऐसा दोस्त नहीं बनाएगा जिसकी बदली हो जाती है। एक तो इफ़्फ़न की दादी जिससे वह बहुत प्यार करता था वह नहीं रहीं फिर इफ़्फ़न चला गया तो यह दिन उसके लिए महत्वपूर्ण दिन बन गया।

**5. 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई ?**

'अम्मी' शब्द को सुनते ही सबकी नज़रें टोपी पर पड़ गईं। क्योंकि यह उर्दू का शब्द था और टोपी हिन्दू था। इस शब्द को सुनकर जैसे परम्पराओं की दीवारें डोलने लगीं। घर में सभी हैरान थे। माँ ने डाँटा, दादी गरजी और टोपी की जमकर पिटाई हुई।

**6. इफ़्फ़न टोपी शुक्ला की कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा किस तरह से है ?**

इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला दोनों गहरे दोस्त थे। एक दूसरे के बिना अधूरे थे परन्तु दोनों की आत्मा में प्यार की प्यास थी। इफ़्फ़न तो अपने मन की बात दादी को या टोपी को कह कर हल्का कर लेता था परन्तु टोपी के लिए इफ़्फ़न और उसकी दादी के अलावा कोई नहीं था। अत: इफ़्फ़न वास्तव में टोपी की कहानी का अटूट हिस्सा है।

## निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए |

**1. पढ़ाई में तेज़ होने पर भी कक्षा में दो बार फेल हो जाने पर टोपी के साथ घर पर या विद्यालय में जो व्यवहार हुआ उस पर मानवीय मूल्यों की दृष्टि से टिप्पणी कीजिए।**

टोपी पढ़ाई में काफ़ी तेज़ था, परंतु उसे पढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण नहीं मिल पा रहा था। अनुकूल वातावरण के अभाव में वह एक ही कक्षा में दो-दो बार फेल हो गया था। फ़ेल हो जाने के कारण घर एवं विद्यालय में उसके साथ कोई भी अच्छा व्यवहार नहीं कर रहा था। अध्यापकों की टिप्पणियाँ टोपी के लिए अत्यंत पीड़ादायक थी और उसके मनोबल को तोड़ने का कार्य करती थीं। घर पर भी टोपी के साथ व्यवहार अच्छा नहीं था। इन सभी के आधार पर कहा जाना चाहिए कि विद्यालय और घर में टोपी के प्रति होने वाला दोहरा व्यवहार हमारे सामाजिक ढाँचे को हिलाकर रख देता है। जब कोई व्यक्ति अपने जीवन में असफल होता है, तो हमें उसे आगे बढ़ने के लिए। प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, परंतु टोपी के साथ ठीक विपरीत व्यवहार हो रहा था, जो मानवीय मूल्यों के विघटन को दर्शाता है।

**2. टोपी ने मुन्नी बाबू के बारे में कौन-सा रहस्य छिपाकर रखा था और क्यों ? विस्तार से समझाइए।**

मुन्नी बाबू टोपी का बड़ा भाई था वह कबाब खाता था तथा सिगारेट पीता था। एक दिन जब टोपी की माँ उसकी पिटाई कर रही थी तो मुन्नी बाबू ने टोपी की झूठी शिकायत की कि वह कबाब खाता है , जबकि टोपी ने कभी कबाब नहीं खाए थे। वास्तविकता यह थी कि टोपी ने मुन्नी बाबू को खाते देख लिया था और मुन्नी बाबू ने उसे एक इक्कनी रिश्वत दी थी। टोपी ने यह रहस्य छुपाकर रखा था। इफ़्फ़न के सिवा उसने घर में भी किसी को नहीं बताया था। वह चुगलखोर नहीं था। टोपी चाहता तो घर में माँ को और घर के अन्य सदस्यों को मुन्नी बाबू की कबाब खाने की बात बता सकता था, पर उसने ऐसा नहीं किया।

**3. टोपी नवीं कक्षा में दो बार फ़ेल हो गया। बताइए –**
**(क) ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फ़ेल होने के क्या कारण थे ?**
**(ख) एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा ?**
**(ग) टोपी की भावनात्मक परेशानियों को मद्येनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए ?**

(क) टोपी बहुत ज़हीन (बुद्धिमान) था परन्तु दो बार फ़ेल हो गया क्योंकि पहली बार जब भी वह पढ़ने बैठता मुन्नी बाबू को कोई न कोई काम निकल आता या रामदुलारी कोई ऐसी चीज़ मँगवाती जो नौकर से नहीं मँगवाई जा सकती। इस तरह वह फेल हो गया। दूसरे साल उसे मियादी बुखार हो गया था और पेपर नहीं दे पाया इसलिए फ़ेल हो गया था।

(ख) पहली बार एक कक्षा छोटे बच्चों के साथ बैठना पड़ा। दूसरे साल सातवीं के बच्चों के साथ बैठना पड़ा था। इसलिए उसका कोई दोस्त नहीं बन पाया था। अध्यापक भी बच्चों को न पढ़ने के कारण फ़ेल होने का उदाहरण टोपी का नाम लेकर देते थे, उसका मज़ाक उड़ाते थे। मास्टर भी उसे नोटिस नहीं करते थे। उससे कोई उत्तर नहीं पूछते बल्कि कहते अगले साल पूछ लेंगे या कहते इतने सालों में तो आ गया होगा। इस तरह सभी उसे भावनात्मक रूप से आहत करते थे। फिर अंत में इन चुनौतियों को स्वीकार कर उसने सफलता प्राप्त की।

(ग) बच्चे फ़ेल होने पर भावनात्मक रूप से आहत होते हैं और मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। वे शर्म महसूस करते हैं। इसके लिए विद्यार्थी के पुस्तकीय ज्ञान को ही न परखा जाए बल्कि उसके अनुभव व अन्य कार्य कुशलता को भी देखकर उसे प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षा व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता

# 3 - टोपी शुक्ला

है।

**4. 'टोपी शुक्ला पाठ के माध्यम से लेखक ने मानवीय संबंधों की कौन-सी सच्चाई उजागर की है ?**

**अथवा**

**घर वालों के मना करने पर भी टोपी का लगाव इफ़्फ़न के घर और उसकी दादी से क्यों था ? दोनों के अनजान, अटूट रिश्ते के बारे में मानवीय मूल्यों की दृष्टि से अपने विचार लिखिए।**

टोपी शुक्ला पाठ के माध्यम से लेखक ने मानवीय संबंधों के संदर्भ में यह स्पष्ट करने की कोशिश की है कि मानवीय संबंध भाषा, जाति, धर्म एवं उम्र से परे होते हैं। उन्हें केवल हृदय की सच्ची भावनाओं और प्यार के बंधनों से ही बाँधा जा सकता है। मुस्लिम परिवार के इफ़्फ़न एवं उसकी दादी तथा हिंदू परिवार के टोपी के बीच जो रिश्ता है, वह धर्म की दीवारों को तोड़कर मानवीयता के धरातल पर निर्मित रिश्ता है, जहाँ किसी भी प्रकार के बंधन को आड़े आने की इजाज़त नहीं है। घर पर खूब मार खाने के बावजूद टोपी इफ्फ़न के घर जाना नहीं छोड़ता तथा इफ़्फ़न के साथ ही इफ़्फ़न की दादी के प्रति सम्मान एवं स्नेह भावना में कोई परिवर्तन नहीं होता। वह इफ़्फ़न की दादी से मिले बिना नहीं रह सकता, क्योंकि उसे महसूस होता है कि इफ़्फ़न की दादी से अधिक प्यार उसे नहीं करता है। इफ़्फ़न की दादी भी टोपी के बिना अकेलापन महसूस करतीं और हमेशा उसके आने की प्रतीक्षा करती रहतीं। दोनों के बीच माँ-बेटे के संबंध से भी बढ़कर एक ऐसा मानवीय संबंध कायम हो गया था, जिसके अभाव में अतृप्त महसूस करते। मानवीय संबंधों की इसी सच्चाई को "टोपी शक्ला" पाठ में उजागर करने की कोशिश की गई। संबंध में न कोई स्वार्थ है और न कोई व्यापार, बल्कि सिर्फ अपनापन है, आत्मीयता है।

**5. हिंदू होते हुए भी टोपी शुक्ला अपने मुस्लिम मित्र इफ़्फ़न की दादी को क्यों चाहने लगा और उनके मरने पर टोपी गया तो वहाँ का कैसा वातावरण था ?**

हिंदू होते हुए भी टोपी शुक्ला अपने मुस्लिम मित्र इफ़्फ़न की दादी को इसलिए चाहने लगा क्योंकि उसकी दादी उसे भी इफ़्फ़न की तरह ही प्रेम करतीं थींब भी टोपी शुक्ला को अपने घर पर डांट पड़ती तब वह अपने मित्र इफ़्फ़न की दादी के पास आता था और उसे दादी से बात करके बहुत अच्छा लगता था |दादी के मरने पर जब टोपी वहाँ गया तो गहरा सन्नाटा छाया हुआ था|काफ़ी लोग आए हुए थे|लेकिन दादी के बिना टोपी को वह घर खाली लगा|उसे ऐसा महसूस हो रहा था कि काश इफ़्फ़न की दादी की जगह मेरी दादी मर जातीं |

**6. टोपी ने यह कसम खाते हए ऐसा क्यों कहा होगा कि वह ऐसे लड़कों से दोस्ती नहीं करेगा, जिनके पिता का तबादला होता रहता है ?**

टोपी और इफ़्फ़न घनिष्ठ मित्र थे। दोनों एक-दूसरे के बिना बिलकुल अधूरे थे, क्योंकि दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को बिना कहे समझ लेते थे। यह दोस्ती में विकसित हुई थी। टोपी तो अपने अजीज़ दोस्त के साथ-साथ उसके परिवार वालों का भी आत्मीय विशेष रूप से उसकी दादी का जब वह पूरबी बार बोलतीं, तो उसे अपनी माँ की भांति ही दिखाई दे टोपी को अकेलापन दूर करने वाले अपने अजीज़ दोस्त इफ़्फ़न के जाने का पता चला, तो वह उदास हो गया। इफ़्फ़न के जाने का कारण उसके पिता का मुरादाबाद तबादला होना था। इफ़्फ़न की दादी की मृत्यु का घाव अभी भरा भी नहीं था कि टोपी को इफ़्फ़न से अलग होने का जख्म भी मिल गया। इसी कारण टोपी ने कसम खाई थी कि अब वह ऐसे लड़के से दोस्ती नहीं करेगा, जिसके पिता का तबादला होता रहता हो।

**7. सच्चा मित्र जीवन की अनुपम निधि होता है। टोपी शुक्ला और इफ़्फ़न का उदाहरण देते हुए अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।**

वास्तव में, सच्चा मित्र जीवन की अनुपम निधि होता है । वह जीवन के हर अच्छे-बुरे समय में साथ देता है, विशेषकर विपत्ति के समय तो वह हमारा सहयोग एवं समर्थन सच्चे दिल से करता है। टोपी शुक्ला तथा इफ़्फ़न भी सच्चे मित्र हैं। वे दोनों एक-दूसरे को धर्म, जाति, संप्रदाय आदि से ऊपर उठकर प्रेम करते हैं। दोनों के बीच मित्रता इतनी गहरी है कि इफ़्फ़न के चले जाने पर टोपी स्वयं को अत्यंत अकेला महसूस करता है। वह इफ्फ़न तथा उस की दादी को हृदय से चाहता था, इसीलिए इफ़्फ़न के पिता के तबादले के कारण उसके चले जाने पर वह बहुत अधिक मायूस हो जाता है और कसम खाता है कि अब वह ऐसे किसी लड़के से दोस्ती नहीं करेगा, जिसके पिता जी की तबादले वाली नौकरी होगी। यह भावना गहरी वेदना से ही उपज सकती है। टोपी का हृदय वेदना से पीड़ित है। वह हृदय से दु:खी है। ऐसे संबंध को ही सच्ची मित्रता कहा जा सकता है। इन दोनों की दोस्ती से सच्ची मित्रता की प्रेरणा ली जा सकती है।

**8. कहानी के आधार पर टोपी व इफ़्फ़न की परस्पर मित्रता पर प्रकाश डालिए |**

टोपी और इफ़्फ़न बहुत घनिष्ठ मित्र थे |टोपी इफ़्फ़न का पहला दोस्त था| टोपी के बिना इफ़्फ़न, इफ़्फ़न के बिना टोपी , न केवल अधूरे थे बल्कि बेमानी थे| उनकी दोस्ती धर्म और जाति की दीवारों से परे थी |वे एक डोर से बंधे थे |इफ़्फ़न और उसकी दादी ने टोपी के अकेलेपन को काफ़ी हद तक दूर कर दिया था |दोनों अपने सुख-दुख एक दूसरे से बांटते थे |टोपी इफ़्फ़न के घर जाता , तो उसकी दादी के पास ही बैठने की कोशिश करता|माँ और दादी से पिटने के बावजूद टोपी ने यह स्वीकार नहीं किया कि वह इफ़्फ़न से मिलना छोड़ देगा|इफ़्फ़न के मुरादाबाद चले जाने के बाद टोपी का सूना जीवन और भी अकेला हो गया|